12 फरवरी 2024

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- इस वर्ष सरसों का रकबा 1 फरवरी तक 5 प्रतिशत बढ़कर 100.39 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है, जबकि एक साल पहले यह 95.76 लाख हेक्टेयर था।
- केंद्र ने एक पोर्टल 'सारथी' शुरू किया है जिसका उद्देश्य बीमा कंपनियों को किसानों और ग्रामीण आबादी तक अनुरूप उत्पादों के साथ-साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित सरकार के सब्सिडी वाले बीमा उत्पादों तक पहुंचने में मदद करना है।
- केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, लगातार 18वें सप्ताह जल स्तर गिरने से प्रमुख 150 भारतीय जलाशयों में भंडारण क्षमता के 50 प्रतिशत से नीचे चला गया है।
- केंद्र ने व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, बड़े खुदरा विक्रेताओं और प्रोसेसरों के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा में संशोधन किया है। व्यापारियों/थोक विक्रेताओं के लिए सीमा को 1000 मीट्रिक टन से संशोधित करके 500 मीट्रिक टन कर दिया गया है। प्रोसेसरों के लिए, प्रत्येक आउटलेट के लिए 5 मीट्रिक टन और उनके सभी डिपो पर 1000 मीट्रिक टन से बदलकर प्रत्येक आउटलेट के लिए 5 मीट्रिक टन और उनके सभी डिपो पर 500 मीट्रिक टन कर दिया गया है। खुदरा विक्रेताओं के लिए, इसे प्रत्येक खुदरा दुकान के लिए 5 एमटी पर अपरिवर्तित रखा गया है।
- 3 फरवरी को समाप्त सप्ताह में ब्राजील की सोयाबीन की फसल 45.3 मिलियन हेक्टेयर अनुमानित क्षेत्र में से 14% तक पहुंच गई, जो 5.4 अंक की साप्ताहिक वृद्धि है।
- सरकार लगभग 1 मिलियन टन रणनीतिक कच्चे तेल आरक्षित क्षमता को पट्टे पर देगी। पेट्रोलियम मंत्रालय के उपक्रम, आईएसपीआरएल ने भारत के आपातकालीन उपयोग के लिए 5.33 मिलियन टन तेल भंडारण के लिए आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कर्नाटक के मैंगलोर और पादुर में कच्चे तेल के लिए भूमिगत भंडारण का निर्माण किया है।
- बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकार के जोर और हरित ऊर्जा में क्रमिक परिवर्तन के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत कीमें रिफाइंड तांबे की मांग 11 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है: आईसीआरए ।
- दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कच्चे तेल आयातक भारत में रिफाइनर मध्य पूर्व और आसपास के अन्य देशों से आपूर्ति बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि लाल सागर में जहाजों पर हाल के हमलों से शिपिंग समय और उच्च लागत का खतरा बढ़ गया है।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	02.02.24	08.02.24	बदलाव (%)
बाजरा	2299.00	2344.00	1.96%
सीसेम सीड	16260.00	16440.00	1.11%
गुड़	1423.00	1429.50	0.46%
कैस्टर सीड	5739.00	5756.00	0.30%
कपास	1489.50	1493.50	0.27%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	02.02.24	08.02.24	बदलाव (%)
कच्चा तेल	6030.00	6307.00	4.59%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	02.02.24	08.02.24	बदलाव (%)
धान	4266.00	4160.00	-2.48%
कॉटनऑयलसीडकेक	2529.00	2486.00	-1.70%
धनिया	7932.00	7826.00	-1.34%
ग्वारसीड	5362.00	5295.00	-1.25%
हल्दी	15434.00	15330.00	-0.67%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	02.02.24	08.02.24	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	173.90	161.20	-7.30%
लेड	181.50	177.05	-2.45%
तांबा	722.05	706.25	-2.19%
मेंथा ऑयल	926.50	909.50	-1.83%
सोना	63150.00	62443.00	-1.12%

साप्ताहिक समीक्षा

सीआरबी इंडेक्स को 315 पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ा और उसके बाद मुख्य रूप से डॉलर सूचकांक और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि के कारण एक महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई। भारतीय रुपये की मजबूती ने कुछ हद तक कमोडिटी गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया। चीन की आर्थिक वृद्धि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश के तौर पर खरीदारी से सोने को फायदा हुआ। लेकिन, चांदी का प्रदर्शन कमजोर रहा क्योंकि यह बेस मेटल से प्रभावित थी, जिसका चीन में नकारात्मक विकास के कारण कमजोर प्रदर्शन रहा। औद्योगिक धातुओं में मंदी रही क्योंकि शीर्ष उपभोक्ता चीन में लंबी सार्वजनिक छुट्टी के बीच आर्थिक और मांग में मंदी के कारण बाजार पर दबाव पड़ा। बिगड़ती आर्थिक स्थितियों के बीच चीन 2009 के बाद से सीपीआई में सबसे बड़ी गिरावट के साथ अपस्फीति की चपेट में आ गया है। प्रोत्साहन और ब्याज दर में कटौती के बावजूद, रियल एस्टेट क्षेत्र गति नहीं पकड़ रहा है, जिसमें बेस मेटल की काफी खपत होती है। इजराइल द्वारा हमास के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद मध्य पूर्व में तनाव बरकरार रहने के कारण तेल की कीमतें साप्ताहिक स्तर पर बढ़ गईं। पिछले सत्र में तेल की कीमतें लगभग 3% बढ़ गईं क्योंकि प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा फिलिस्तीनी क्षेत्र में युद्ध को समाप्त करने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद गुरुवार को इजरायली बलों ने दक्षिणी सीमावर्ती शहर राफा पर बमबारी की। उत्तरी गोलार्ध में हल्के मौसम के कारण नेचुरल गैस की कीमतें 160 के सपोर्ट स्तर से नीचे टूट गई।

कृषि क्षेत्र में, अरंडी की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई, जबकि निचले स्तर पर खरीदारी के कारण सूरजमुखी तेल की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। अरंडी तेल की निर्यात मांग कम होने के कारण अरंडी की कीमतों में तेजी सीमित रही। पिछले चार सप्ताह से एमसीएक्स पर कपास की कीमतें धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। इसके विपरीत, कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में लगातार छठे सप्ताह गिरावट का सामना करना पड़ा। जीरा की कीमतें एक दायरे में रहीं, जबकि हल्दी की कीमतें लगातार दूसरे सप्ताह कम हो गई। घरेलू खरीदारी कम होने से हल्दी की कीमतों में नरमी आई। तेलंगाना में कटाई गतिविधियों में प्रगति के साथ नयी आवक बढ़ने की उम्मीद में स्टॉकिस्ट थोक खरीदारी से दूर रहे। निजामाबाद में हाजिर कीमतों और वायदा कीमतों के बीच अंतर फिर से लगभग 1500 अंक तक बढ़ गई हैं, जिससे वायदा कीमतों में गिरावट आएगी। धनिया में भी मंदी का रुख रहा और ग्वार बाजार कमजोर रहा। घरेलू बाजार में सुस्त खरीदारी से मेंथा पर दबाव बना हुआ है। मेन्थॉल और मेंथा ऑयल के निर्यात में गिरावट की रिपोर्ट से कीमतों में अधिक गिरावट आएगी। अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 की अवधि के दौरान भारत से मेन्थॉल और मेंथा ऑयल का निर्यात क्रमश: साल-दर-साल 15.9% की गिरावट के साथ 7.3 हजार टन और साल-दर-साल 19% की गिरावट के साथ 1.06 हजार टन हुआ है।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	02.02.2024	08.02.2024	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	2070.95	2064.60	-0.31%
चना	दिल्ली	5948.70	6274.95	5.48%
धनिया	कोटा	7315.60	7344.80	0.40%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	794.95	820.80	3.25%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1417.65	1426.00	0.59%
ग्वारसीड	जोधपुर	5331.55	5340.40	0.17%
ग्वारगम	जोधपुर	10384.40	10423.80	0.38%
जीरा	ऊंझा	32355.00	32470.10	0.36%
सरसों	जयपुर	5506.05	5596.95	1.65%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	885.00	905.00	2.26%
सोयाबीन	इंदौर	4646.85	4720.15	1.58%
हल्दी	निजामाबाद	13987.00	13879.70	-0.77%
गेहूं	दिल्ली	2610.00	2625.00	0.57%
कॉटन	कड़ी	26758.15	26771.65	0.05%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2555.90	2524.40	-1.23%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	02.02.2024	08.02.2024	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2233.50	2221.50	-0.54%
तांबा	LME	नकद	8482.00	8193.50	-3.40%
लेड	LME	नकद	2145.00	2054.50	-4.22%
निकल	LME	नकद	16235.00	16007.00	-1.40%
जिंक	LME	नकद	2451.00	2327.50	-5.04%
सोना	COMEX	मार्च	2043.90	2038.10	-0.28%
चांदी	COMEX	अप्रैल	22.91	22.75	-0.69%
लाइट क्रूड	NYMEX	मार्च	72.28	76.22	5.45%
नेचुरल गैस	NYMEX	मार्च	2.09	1.95	-6.62%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	02.02.2024	08.02.2024	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	मार्च	1,198.25	1,199.75	0.13%
सोया तेल	CBOT	मार्च	45.22	48.32	6.86%
कॉटन	ICE	मार्च	87.11	89.10	2.28%
सीपीओ	BMD	अप्रैल	3,764.00	3,874.00	2.92%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	01.02.2024 क्वांटिटी	08.02.2024 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	16067	16067	0
बाजरा	मी.टन	543	543	0
कैस्टर सीड	मी.टन	4841	4841	0
धनिया	मी.टन	3042	3042	0
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	30479	30479	0
ग्वारगम	मी.टन	25100	25100	0
ग्वारसीड	मी.टन	26766	26766	0
जीरा	मी.टन	113	113	0
स्टील	मी.टन	696	696	0

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	02.02.2024 क्वांटिटी	07.02.2024 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	2546	2331	-215
तांबा	मी.टन	3174280	2840201	-334079
सोना	किग्रा	339	329	-10
सोना मिनी	किग्रा	2456	2456	0
सोना गिनी	किग्रा	49000	50100	1100
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	162751	192075	29324
चांदी एम	किग्रा	39118	40493	1375
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 02.02.2024	स्टॉक की स्थिति 08.02.2024	अंतर
एल्युमीनियम	531175	529350	-1825.00
तांबा	139425	136825	-2600.00
निकल	71724	72300	576.00
लेड	130350	144425	14075.00
जिंक	197275	216675	19400.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	मार्च	27155.00	10.10.23	मंदी	25500.00	25900.00	-	25800.00
NCDEX	हल्दी	अप्रैल	15330.00	18.01.24	तेजी	13900.00	13950.00	-	13900.00
NCDEX	**ग्वारसीड**	**मार्च**	**5346.00**	**08.02.24**	**साइडवेज**	**5300.00**	**5000.00**	**5600.00**	**-**
NCDEX	कैस्टरसीड	मार्च	5620.00	18.01.24	तेजी	5650.00	5350.00	-	5300.00
NCDEX	सुरजमुखी तेल	मार्च	834.90	30.01.24	तेजी	872.00	-	875.00	880.00
NCDEX	स्टील लांग	मार्च	43010.00	27.09.23	मंदी	46300.00	-	44150.00	44200.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	मार्च	2485.00	14.12.23	मंदी	2450.00	2360.00	-	2350.00
MCX	मेंथा ऑयल	फरवरी	909.50	27.09.23	मंदी	960.00	-	960.00	965.00
MCX	बुलडेक्स	फरवरी	16050.00	10.10.23	तेजी	15000.00	15840.00	-	15800.00
MCX	चांदी	मार्च	70837.00	10.10.23	तेजी	69000.00	69200.00	-	69000.00
MCX	सोना	अप्रैल	62443.00	10.10.23	तेजी	57500.00	61450.00	-	61400.00
MCX	तांबा	फरवरी	706.25	25.01.24	मंदी	737.00	-	729.00	730.00
MCX	**लेड**	**फरवरी**	**177.05**	**07.02.24**	**मंदी**	**180.00**	**-**	**184.00**	**185.00**
MCX	जिंक	फरवरी	209.85	25.01.24	मंदी	230.00	-	222.00	223.00
MCX	एल्युमिनियम	फरवरी	200.90	25.01.24	मंदी	206.00	-	207.00	207.50
MCX	**कच्चा तेल**	**फरवरी**	**6307.00**	**08.02.24**	**तेजी**	**6300.00**	**5950.00**	**-**	**5900.00**
MCX	नेचुरल गैस	फरवरी	161.20	18.01.24	मंदी	235.00	-	198.00	200.00

*08/02/2024 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम साप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस साप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 740.20** **निचला स्तर: 693.00**

एमसीएक्स में तांबा (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 08 फरवरी 2024 को 706.25 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 719.20 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 34.14 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

722.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 690.00 रू के टारगेट के लिए 712.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

कच्चा तेल (फरवरी) एमसीएक्स

कच्चा तेल (फरवरी) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 6529.00** **निचला स्तर: 5796.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 08 फरवरी 2024 को 6307.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6204.20 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 57.75 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6150.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6700.00 रू के टारगेट के लिए 6280.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कैस्टरसीड (मार्च) एनसीडीईएक्स

कैस्टरसीड (मार्च) एनसीडीईएक्स **उच्चस्तर: 5808.00** **निचला स्तर: 5547.00**

एनसीडीईएक्स में कैस्टरसीड (मार्च) कॉन्ट्रैक्ट 08 फरवरी 2024 को 5365.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 5473.60 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 41.40 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

5420.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 5850.00 रू के टारगेट के लिए 5550.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

घरेलू खरीदारी में कमी के कारण हल्दी की कीमतों में नरमी की उम्मीद है। तेलंगाना में कटाई गतिविधियों में प्रगति के साथ ताजा आवक बढ़ने की उम्मीद में स्टॉकिस्ट थोक खरीदारी से दूर रहे। निजामाबाद में हाजिर कीमतों और वायदा कीमतों के बीच अंतर फिर से लगभग 1500 अंक तक बढ़ गई हैं, जिससे वायदा कीमतों में गिरावट आएगी। हाजिर और वायदा कीमतों के बीच सामान्य अंतर 500-1000 अंक के बीच होता है। लेकिन, पिछले वर्ष की तुलना में आवक की गति अभी भी धीमी है क्योंकि फरवरी-24 के पहले 7 दिनों में बाजार में पिछले वर्ष के 5240 टन हल्दी की तुलना में लगभग 2393 टन हल्दी की आवक हुई। कटाई गतिविधियों में प्रगति के साथ आवक में अधिक सुधार होने की उम्मीद है। बाजार में स्टॉक कम होने और त्योहारी मांग बढ़ने की उम्मीद के कारण हल्दी में घाटा सीमित रहने की संभावना है। कमजोर उत्पादन परिदृश्य से कीमतों में गिरावट पर अंकुश लगने की संभावना है। पैदावार में गिरावट के बीच हल्दी के तहत कम क्षेत्रफल के कारण उत्पादन में लगभग 20% की गिरावट होने की संभावना है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कटाई गतिविधियों में देरी के कारण आवक की गति धीमी हो गई है। नवंबर में निर्यात में गिरावट हुई है क्योंकि भारत ने नवंबर-23 में पिछले वर्ष के 12.39 हजार टन के मुकाबले केवल 8.58 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जिसमें अप्रैल-नवंबर-23 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष के समान अवधि के 111.94 हजार टन की तुलना में 110.74 हजार टन कम हुआ। सीजनॉलिटी के अनुसार निर्यात बढ़ने की संभावना है जिससे कीमतों में मजबूती आएगी। निकट भविष्य में हल्दी की कीमतों को 16300 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करने की उम्मीद है, और 15000 के करीब सपोर्ट की संभावना है।

आगामी दिनों में बंपर फसल की उम्मीद के कारण बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ने से जीरा वायदा में गिरावट हुई। लेकिन कीमतों में हाल ही में गिरावट के कारण निर्यात पूछताछ में सुधार हुआ है, जिससे निकट अवधि में कीमतों में गिरावट पर अंकुश लगने की संभावना है। निर्यात कम हुआ है लेकिन रमजान सीजन से पहले वैश्विक आपूर्ति में कमी के कारण निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। भारत के साथ-साथ वैश्विक बाजार में कम आवक की अवधि से कीमतों को समर्थन मिलने की संभावना है, जब तक कि मार्च के दौरान नई फसल भारत के बाजार में नहीं पहुंचती। मार्च में कटाई गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है जिससे आपूर्ति में वृद्धि होगी। घरेलू आपूर्ति में वृद्धि के साथ आगामी सीजन में निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। बाजार वर्ष 2024-25 में जीरा निर्यात बढ़कर 2.2-2.5 लाख टन तक हो सकता है। भारत ने अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान लगभग 76.3 हजार टन जीरा निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के 115.75 हजार टन की तुलना में साल-दर-साल 34% कम है। नवंबर-23 में निर्यात पिछले वर्ष के 11.7 हजार टन के मुकाबले घटकर 6.2 हजार टन रह गया। उच्च उत्पादन अनुमान के मद्देनजर बढ़त सीमित रहने की संभावना है। वर्ष 2024-25 के लिए उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 30% की वृद्धि होने की संभावना है। जीरा की कीमतों के 26000-32000 के दायरे में रहने की संभावना है।

निर्यात मांग बढ़ने से धनिया की कीमतें बढ़ोतरी हुई। भारत में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण धनिया में बढ़त बरकरार रहने की संभावना है। त्योहारी खरीदारी में सुधार और मजबूत निर्यात से निकट भविष्य में कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। भारत ने नवंबर-23 में पिछले वर्ष के 2.4 टन की तुलना में लगभग 3.05 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जबकि अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष के 21.3 हजार टन के मुकाबले 73.18 हजार टन दर्ज किया गया, जो कि साल-दर-साल 243% अधिक है। कमजोर उत्पादन अनुमान कीमतों में हर गिरावट के साथ स्टॉकिस्टों को आक्रामक खरीदारी के लिए आकर्षित करेगा। लेकिन, बाजार में भारी स्टॉक के कारण बढ़त सीमित रह सकती है। धनिया की कीमतों के 7500-8200 के दायरे में रहने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

भारत में कम उत्पादन अनुमान के कारण कपास की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। घरेलू फंडामेंटल के कीमतों के लिए सहायक बने रहने की संभावना है क्योंकि आने वाले हफ्तों में आवक की गति धीमी होगी क्योंकि अक्टूबर-23 से अब तक लगभग 61% फसल बाजार में आ चुकी है। वर्ष 2023-24 में अब तक कुल आवक 180 लाख गांठ बताई गई है। आवक की गति अब तक पिछले वर्ष के समान ही रही है, लेकिन वर्ष 2023-24 में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण धीमी होने की संभावना है। कपास का रकबा कम होने के कारण बाजार वर्ष 2023-24 में कपास उत्पादन में साल-दर-साल 2% की गिरावट होने की संभावना है। वर्ष 2023-24 में कपास का उत्पादन पिछले 15 वर्षों में सबसे कम होने का अनुमान है जो आपूर्ति की कमी के रूप में प्रतिबिंबित होगा। भारतीय कपास निगम ने वर्ष 2023-24 में अब तक लगभग 20 लाख गांठों की खरीद की। एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों के 56500-6000 के बीच कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास अप्रैल-24 वायदा की कीमतों के 1470-1550 के स्तर के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों के 2400-2750 के दायरे में रहने की संभावना है।

स्थानीय बाजार में खरीदारी बढ़ने से ग्वारसीड वायदा की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। घटती आपूर्ति और ग्वारमील की उभरती मांग से ग्वार की कीमतों में मजबूती को समर्थन मिलने की संभावना है। वर्ष 2023-24 में ग्वारसीड का कुल उत्पादन साल-दर-साल 11%-13% कम हो गया है। उत्पादन में इस कमी के परिणामस्वरूप मिल मालिकों के लिए इन्वेंट्री का स्तर कम हो गया है। लेकिन ग्वारमील के सुस्त निर्यात की रिपोर्ट से कीमतों में बड़ी बढ़त पर रोक लगने की संभावना है क्योंकि भारत से ग्वारमील निर्यात नवंबर-22 में साल-दर-साल 53% कम हो गया, जबकि ग्वारगम का निर्यात नवंबर-23 में साल-दर-साल 21% कम होकर 14.93 हजार टन हो गया। भारत ने ग्वारमील और ग्वारगम के रूप में कुल लगभग 65.03 हजार टन ग्वार निर्यात किया है, जो कि साल-दर-साल 9% कम है। ग्वारसीड की कीमतों को 5200 के आसपास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है, जिसमें 5800 पर रेजिस्टेंस देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 11500 के रेजिस्टेंस के साथ 9800 के आसपास सपोर्ट मिलने की संभावना है।

घरेलू बाजार में खरीदारी सुस्त रहने से मेंथा ऑयल की कीमतों पर दबाव बने रहने की संभावना है। मेन्थॉल और मेंथा ऑयल के निर्यात में गिरावट की रिपोर्ट से कीमतों में अधिक गिरावट आएगी। अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 की अवधि के दौरान भारत से मेन्थॉल और मेंथा ऑयल का निर्यात क्रमश: साल-दर-साल 15.9% की गिरावट के साथ 7.3 हजार टन और साल-दर-साल 19% की गिरावट के साथ 1.06 हजार टन हुआ है। आपूर्ति में अधिक गिरावट की उम्मीद है। मेंथा के रकबे से घाटे पर लगाम लगने की संभावना है। मेंथा ऑयल की कीमतों के 895-960 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अरंडी के तेल की निर्यात मांग में कमी के कारण अरंडी की कीमतों में गिरावट की संभावना है। मिल मालिकों के पेराई मार्जिन में गिरावट से पेराई मांग कम रहने की संभावना है। वहीं, कैस्टर मील के निर्यात में गिरावट की रिपोर्ट से भी कीमतों पर दबाव पड़ेगा। अरंडी की कीमतों के 5500-6000 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

सोने की कीमतें उच्च स्तर पर कायम नहीं रह सकीं क्योंकि चीनी बाजार चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के लिए बंद हैं, जबकि मजबूत अमेरिकी डॉलर ने मध्य पूर्व में तनाव के कारण सुरक्षित-निवेश मांग को संतुलित कर दिया। शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज 9 फरवरी से 16 फरवरी तक छुट्टी के कारण बंद रहेगा, अमेरिकी क्षेत्रीय बैंकों में तनाव, चीनी नव वर्ष की मांग और मध्य पूर्व तनाव के कारण धातु को समर्थन मिला। मध्य पूर्व की स्थिति पर चिंताएं बनी हुई हैं, खासकर जब प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा हमास के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद इजरायली बलों ने दक्षिणी सीमावर्ती शहर राफा में बमबारी की। डॉलर सूचकांक और 10-वर्षीय ट्रेज़री यील्ड दोनों में साप्ताहिक वृद्धि दर्ज की गई। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के बयानों के बाद अगले सप्ताह अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक रिपोर्ट पर ध्यान केंद्रित किया जाना तय है, जिसमें ब्याज दरों में कटौती करने की अनिच्छा का संकेत दिया गया है, जब तक कि वे मुद्रास्फीति के 2% लक्ष्य तक पहुंचने के बारे में अधिक आश्वस्त नहीं हो जाते। मार्केटवॉच के अनुसार, अमेरिकी श्रम विभाग ने कहा कि पिछले सप्ताह प्रारंभिक बेरोजगार दावे एक सप्ताह पहले के 224,000 से गिरकर 218,000 हो गए, जबकि विश्लेषकों की उम्मीद 220,000 नए दावों की थी। मजबूत आंकड़ें नवीनतम संकेत है कि उच्च ब्याज दरों के बावजूद अमेरिकी नौकरी बाजार शांत नहीं हो रहा है, और यह मजबूती अमेरिकी दरों में अपेक्षित कटौती को आगे बढ़ा सकती है। लंबे समय तक ऊंची दरों की यह उम्मीद गैर-ब्याज वाली कीमती धातुओं की मांग को कम कर देती है। कॉमेक्स पर, सोने की कीमतों को 2010 डॉलर के आसपास समर्थन मिल रहा है और 2060 डॉलर के करीब रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है, जबकि चांदी 21.900-23.100 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकती है। आगे, सोने की कीमतें 61700-63500 के दायरे में कारोबार कर सकती है, जबकि चांदी की कीमतों में तेजी का रुख बना रह सकता है और 69000 के करीब समर्थन मिल सकता है, जिससे 73000 तक ऊपर जाने की संभावना है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

इजरायल द्वारा हमास के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच कच्चे तेल में साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों बेंचमार्क पिछले सत्र में लगभग 3% बढ़ गए, जिसे प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा फिलिस्तीनी एन्क्लेव में शांति प्रस्तावों को खारिज करने के जवाब में दक्षिणी सीमावर्ती शहर राफा पर इजरायली हवाई हमलों से बढ़ावा मिला। इन तनावों के कारण तेल की कीमतें बढ़ीं, और ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों इस सप्ताह 5% से अधिक बढ़त हासिल करने में कामयाब हुई हैं। इसके साथ ही, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम ने लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हौथी हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए, यमन में हौथी विद्रोहियों के खिलाफ हवाई हमले बढ़ा दिए। इजरायल-हमास संघर्ष के दौरान हमास के समर्थन में नवंबर के मध्य में शुरू किए गए हौथी हमलों ने अमेरिकी नौसेना को दक्षिणी लाल सागर को पार करने के खिलाफ जहाजों को चेतावनी देने के लिए प्रेरित किया, जिससे वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हुई। हौथी विद्रोहियों ने इन हमलों को तब तक जारी रखने की कसम खाई है जब तक कि इजराइल गाजा में अपना आक्रमण बंद नहीं कर देता, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। मांग के मोर्चे पर, आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिकी गैसोलीन भंडार में 3.15 मिलियन बैरल की भारी गिरावट हुई है, जो 140,000 बैरल की गिरावट के पूर्वानुमान से अधिक है। इसके विपरीत, अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में 5.5 मिलियन बैरल की वृद्धि हुई, जो बाजार की 1.895 मिलियन बैरल वृद्धि की उम्मीद से अधिक है। आगामी दिनों में, कीमतों में तेजी आने की उम्मीद है, और 6150 के करीब सपोर्ट और 6600 के करीब रेजिस्टेंस की संभावना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में असामान्य रूप से हल्की सर्दी, हीटिंग की मांग में कमी के बीच प्रचुर मात्रा में आपूर्ति के कारण नेचुरल गैस की कीमतें तीन साल के निचले स्तर पर गिर गई। परिणामस्वरूप, गैस की कीमतों में 135-170 के दायरे के साथ मंदी का रुझान जारी रहने की उम्मीद है।

बेस मेटल

दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता चीन की ओर से मांग को लेकर चिंता और मजबूत होते अमेरिकी डॉलर के कारण तांबे की कीमतों में सितंबर के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट देखी गई। चीन में चल रहे संपत्ति क्षेत्र के संकट ने, जो निर्माण के लिए बेस मेटल पर बहुत अधिक निर्भर है, बाजार के सेंटीमेंट को कमजोर कर दिया है। इसके अतिरिक्त, गुरुवार के आंकड़ों से पता चलता है कि 2009 के बाद से उपभोक्ता कीमतों में सबसे तेज गिरावट आई है, जिससे अल्पकालिक मांग संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। चीनी अर्थव्यवस्था गिरते शेयर बाजारों से भी जूझ रही है, जिसके कारण बीजिंग को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। चाइना फ्यूचर्स के विश्लेषकों का कहना है कि इस वर्ष अवकाश-पूर्व रीस्टॉकिंग कम रही है, संपत्ति क्षेत्र की समस्याओं के कारण पूरे वर्ष तांबे की ट्यूब और स्ट्रिप की मांग कम रहने की उम्मीद है। खदान की ओर व्यवधान से भी आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी बेरोजगारी लाभ के दावों के आंकड़ों द्वारा फिर से एक लचीले श्रम बाजार की ओर इशारा करने के बाद बाजार पर स्थिर डॉलर का असर पड़ा, जिससे फेडरल रिजर्व का संदेश मजबूत हुआ कि निकट अवधि में ब्याज दरों में कटौती की संभावना नहीं है। तांबे की कीमतों के साइडवेज रूझान के साथ 700-715 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। इस बीच, चीन में संघर्षरत रियल एस्टेट क्षेत्र से उत्पन्न बढ़ती इन्वेंट्री और मांग संबंधी चिंताओं के बीच, जिंक की कीमतें अगस्त 2023 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच कर 2,400 डॉलर प्रति टन से नीचे आ गईं। जिंक की कीमतों के 203 और 215 के बीच व्यापार करने का अनुमान है। इसके अलावा, एलएमई गोदामों में जिंक का भंडार पिछले एक पखवाड़े में 14% से अधिक बढ़ गया है, जो एक महीने के शिखर पर पहुंच गया है। लेड की कीमतों के 179 से 187 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है, जबकि एल्युमीनियम की कीमतों में 194 और 210 के बीच उतार-चढ़ाव होने की उम्मीद है। रूसी एल्युमीनियम आयात पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों की बढ़ती उम्मीदों से एल्युमीनियम की कीमतों को समर्थन मिला है। लेकिन, यूरोपीय एल्युमीनियम का कहना है कि लगाए गए प्रतिबंध केवल यूरोपीय संघ के 12% आयात को प्रभावित करते हैं, जिससे व्यापक प्रतिबंध की मांग होती है। स्टील की कीमतें 42500-43500 के दायरे में मंदी के रुझान के साथ कारोबार कर सकती है।

कृषि बजट.....किसानों के सशक्तिकरण का उपक्रम

किसानों को 'अन्नदाता' बताते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने बजट में किसानों के सशक्तिकरण और खुशहाली की बात कही जो देश को आगे बढ़ाएगी। कृषि मंत्रालय के लिए आवंटन 1,17,528.79 करोड़ है, जो पिछले बजट की तुलना में 1,997 करोड़ अधिक है। संशोधित अनुमान में मंत्रालय के लिए आवंटन 1,16,788.96 करोड़ था जबकि 2022-23 में वास्तविक व्यय 99,877.01 करोड़ था। यह बजट भारत को तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी का दर्पण है। इस बजट में फसल बीमा में हस्तक्षेप, नैनो उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करने, तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण में निवेश बढ़ाने के माध्यम से कृषि में विकास और उत्पादकता का समर्थन करना जारी है।

- कृषि बजट की मुख्य बातें
- मोदी सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम निश्चित रूप से हमारे किसानों के जीवन स्तर को ऊपर उठाएंगे।
- अंतरिम बजट में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की भावना झलकती है। पिछले कुछ वर्षों में किसानों के कल्याण के लिए एक के बाद एक कई ठोस कदम उठाए गए हैं।
- वित्त मंत्री ने कहा कि हर साल पीएम-किसान सम्मान योजना के तहत 11.8 करोड़ किसानों को सीधे वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें सीमांत और छोटे किसान शामिल हैं, जबकि पीएम फसल बीमा योजना के तहत 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा दिया जाता है।
- इसी प्रकार, किसानों के लाभ के लिए 1361 ई-एनएएम मंडियां शुरू की गई हैं, जिन पर अब तक 3 लाख करोड़ रुपये का व्यापार पंजीकृत किया गया है। ऐसी अनेक योजनाएं लागू की गई हैं।
- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर तिलहन अभियान सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। 2022 में घोषित पहल के आधार पर सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन, सूरजमुखी जैसे तिलहनों के लिए 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने की रणनीति तैयार की जाएगी। इसमें अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों को व्यापक रूप से अपनाना, बाजार संपर्क, खरीद, मूल्य संवर्धन और फसल बीमा शामिल होंगे।
- सभी कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी (उर्वरक) का विस्तार किया जाएगा। डेयरी किसानों को समर्थन देने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया जाएगा।
- मत्स्य पालन को बढ़ावा देते हुए 5 एकीकृत एक्वा पार्क स्थापित किए जाएंगे, वहीं प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाया जाएगा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 2019-20 से 2022-23 के दौरान बजट से वास्तविक व्यय और अप्रयुक्त राशि का विवरण इस प्रकार है: (राशि: करोड़ रुपये में)

वर्ष	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय	संशोधित अनुमान के मुकाबले अप्रयुक्त राशि
2019-20	109261.4	101740.2	7521.19
2020-21	124060.1	115856	8204.04
2021-22	126202.7	122712.1	3490.58
2022-23	118256.4	109561	8695.41
कुल	477780.6	449869.3	27911.22

स्रोत: पीआईबी

सरकार देश में किसानों के कल्याण के लिए केंद्रीय क्षेत्र के साथ-साथ केंद्र प्रायोजित योजनाओं और कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला लागू कर रही है। इन योजनाओं में ऋण, बीमा, आय सहायता, बुनियादी ढांचे, बागवानी सहित फसलें, बीज, मशीनीकरण, विपणन, जैविक और प्राकृतिक खेती, किसान सामूहिकता, सिंचाई, विस्तार, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से फसलों की खरीद, डिजिटल सहित कृषि के पूरे स्पेक्ट्रम को शामिल किया गया है।

यद्यपि खाद्यान्न और बागवानी सहित फसल क्षेत्र में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन इसका असर किसानों की आय पर नहीं दिख रहा है। भारत जैसे विशाल देश में क्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है क्योंकि राज्य कृषि और ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंतरिम बजट में कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए निवेश पर घोषणाओं की उम्मीद करना बहुत अधिक है। अमृत काल के लक्ष्यों के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में आय और मांग में सुधार के लिए और अधिक नीतियों की आवश्यकता है।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।